A

CCE RF/PF/RR/PR/NSR/NSPR
FULL SYLLABUS

ಕರ್ನಾಟಕ ಶಾಲಾ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯನಿರ್ಣಯ ಮಂಡಲಿ,

ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SCHOOL EXAMINATION AND ASSESSMENT BOARD,
MALLESHWARAM, BENGALURU – 560 003

ಮಾರ್ಚ್/ಏಪ್ರಿಲ್ 2024 ರ ಪರೀಕ್ಷೆ - 1

MARCH/APRIL 2024 EXAMINATION - 1

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H** Code No. : **06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಶಾಲಾ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಎನ್.ಎಸ್.ಆರ್. / ಎನ್.ಎಸ್.ಪಿ.ಆರ್.)

(**Regular Fresh / Private Fresh / Regular Repeater / Private Repeater / NSR / NSPR**)

ದಿನಾಂಕ : **25. 03. 2024]** **[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 100**

Date : 25. 03. 2024] **[Max. Marks : 100**

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
I.	**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।**	**6 × 1 = 6**
1.	'सभ्य' शब्द का विलोम रूप है – (A) अलभ्य (B) असभ्य (C) ससभ्य (D) सौलभ्य **उत्तर :** (B) असभ्य	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
2.	'बूढ़ा' शब्द का अन्यलिंग रूप है – (A) बुढ़ापा (B) जवानी (C) बड़ाई (D) बुढ़िया **उत्तर :** (D) बुढ़िया	1
3.	'अनेक' शब्द का एकवचन रूप है – (A) अनेकता (B) एकता (C) एक (D) बहुत **उत्तर :** (C) एक	1
4.	निम्नलिखित में से 'प्रथम प्रेरणार्थक' क्रिया रूप है – (A) चलाना (B) करना (C) लिखवाना (D) देख **उत्तर :** (A) चलाना	1
5.	निम्नलिखित में से 'मकान' शब्द का पर्यायवाची शब्द है – (A) महान (B) घर (C) आकाश (D) अचरज **उत्तर :** (B) घर	1
6.	निम्नलिखित में से 'कमर कसना' मुहावरे का अर्थ है – (A) नींद आना (B) भाग जाना (C) तैयार रहना (D) सहायता करना **उत्तर :** (C) तैयार रहना	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
II.	**अनुरूपता के उत्तर ।**	**4 × 1 = 4**
7.	सुरेश : गुण संधि :: परमात्मा : .... ।	
	उत्तर : दीर्घ संधि	1
8.	धर्मरक्षा : तत्पुरुष समास :: पूजन–अर्चन : .... ।	
	उत्तर : द्वंद्व समास	1
9.	बच्चे खेलेंगे : भविष्यत् काल :: बच्चे खेलते हैं : .... ।	
	उत्तर : वर्तमान काल	1
10.	जो चिकित्सा देता है : चिकित्सक :: जो पढ़ा–लिखा न हो : .... ।	
	उत्तर : अनपढ़	1
III.	**एक–एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।**	**7 × 1 = 7**
11.	वेंकटराव की प्रिय पत्रिका कौन–सी थी ?	
	उत्तर : वेंकटराव की प्रिय पत्रिका कन्नड केसरी थी ।	1
12.	नगेन्द्र भट्टाचार्य के मित्र का नाम क्या है ?	
	उत्तर :	
	नगेन्द्र भट्टाचार्य के मित्र का नाम बोरिस है ।	1
13.	मैना दंपति नाच–गान क्यों करते थे ?	
	उत्तर :	
	पतिदेव कोई कागज या गोबर का टुकड़ा लेकर उपस्थित हुए तो खुशी के मारे दोनों नाच–गान करने लगते थे ।	1
14.	पुरुषोत्तम को विनायक के साथ भोजन क्यों करना था ?	
	उत्तर :	
	धर्म की रक्षा करने के लिए/संभाजी को औरंगजेब से बचाने के लिए पुरुषोत्तम को विनायक के साथ भोजन करना था । (किसी एक अंश का चयन करें)	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
15.	मज़हब क्या नहीं सिखाता ?	
	उत्तर :	
	मज़हब शत्रुता करना नहीं सिखाता है ।	1
16.	सब कैसे सोते थे ?	
	उत्तर :	
	सब निढाल होकर सोते थे ।	1
17.	हेलन केलर के अनुसार मनुष्य किसका कदर नहीं करता ?	
	उत्तर :	
	हेलन केलर के अनुसार मनुष्य अपने अंदर की क्षमताओं का कदर नहीं करता है ।	1
IV.	**दो–तीन वाक्यों में उत्तर ।**	**10 × 2 = 20**
18.	मैना के बारे में रवीन्द्रजी ने क्या कहा ?	
	उत्तर :	
	मैना के बारे में रवीन्द्रजी ने कहा–''देखते हो, यह यूथभ्रष्ट है । रोज़ फुदकती है, ठीक यहीं आकर । मुझे इसकी चाल में एक करुण–भाव दिखाई देता है ।''	2
19.	रूसी युवतियाँ कैसे दिखाई दे रही थीं ?	
	उत्तर :	
	रूसी युवतियाँ सिर पर सफेद कपड़ा बाँधे और गाऊन पहने स्वस्थ घर के कामकाज करती दिखाई दे रही थीं ।	2
20.	पुरुषोत्तम भोजन की तैयारी कैसे करते हैं ?	
	उत्तर :	
	पुरुषोत्तम बिना बिछावन की भूमि पर थाली रखते हैं, उसी के निकट जल का कलश । थाली के आमने–सामने पुरुषोत्तम–संभाजी बैठ जाते हैं । भोजन का थोड़ा–थोड़ा अंश निकाल जमीन पर रख, थाली के चारों ओर जल छिड़कते हैं ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
21.	लोकगीत जनता का संगीत है । कैसे ? **उत्तर :** लोकगीत घर, गाँव और नगर की जनता की गीत है । इनके लिए साधना की जरूरत नहीं होती । हमेशा से गाए जाते रहे हैं । लोकगीत अपनी लोच, ताशगी से जनता की संगीत बन गई है ।	2
22.	सामाजिक कुरीतियों को किस तरह मिटाना चाहिए ? **उत्तर :** सामाजिक कुरीतियों को मिटाने के लिए नये भेषज (औषध) ढूँढ़ना है । सामाजिकता की चौखट को तोड़कर मानवता की दृष्टि से काम करना है ।	2
23.	पिछड़ा आदमी को सदा अपमानित क्यों होना पड़ता था ? **उत्तर :** पिछड़ा आदमी को सदा अपमानित होना पड़ता था क्योंकि हर काम में पीछे ही रह जाता था । जैसे खाना खाने में, सोने में आदि ।	2
24.	नेपोलियन सच्चाई के पथ पर चलनेवाला लड़का था । कैसे ? **उत्तर :** नेपोलियन अमरूद बेचनेवाली लड़की से खेलते-खेलते टकरा जाता है । टोकरी नीचे गिरकर फल खराब हो जाते हैं । फल की नुकसान की भरपाई के लिए अपनी जेब खर्च के पैसे माँ से लड़की को दिलाता है । पूरा महीना बिना जेब खर्च के खुशी-खुशी सजा भुगतता है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
25.	जीवन में सफलता कैसे प्राप्त कर सकते हैं ? **उत्तर :** जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आलस्य और भाग्यवादिता का दामन छुड़ाकर कठिन परिश्रम करना ही एकमात्र मार्ग होता है ।	2
26.	अफ्रीकावासी बेडेन पावेल को इम्पासी कहकर क्यों पुकारते थे ? **उत्तर :** इम्पासी का अर्थ होता है – कभी न सोनेवाला भेड़िया । अफ्रीकी लोगों की जासूसी कला में पावेल की निपुणता के कारण उन्हें इम्पासी कहकर पुकारते थे ।	2
27.	रैदास का नाम रविदास क्यों रखा गया ? **उत्तर :** संत कवि रैदास का जन्म काशी के पास गाँव में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था । उस दिन रविवार था । इसलिए उनका नाम रविदास रखा गया ।	2
V.	**लेखक / कवि का परिचय ।**	**2 × 3 = 6**
28.	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' । **उत्तर :** i) जन्म काल : जन्म सन् 1900 ई० को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के चुनार नामक कस्बे में हुआ था । ii) कृतियाँ : चंद हसीनों के खतूत, घंटा, फागुन के चार दिन इनके उपन्यास हैं । 'उसकी माँ' बड़ी करुणापूर्ण कहानी है । 'महात्मा ईसा' नाटक बड़ा शिक्षाप्रद है । 'अपनी खबर' इनकी आत्म-जीवनी है । (तीन रचनाएँ पर्याप्त हैं) iii) अन्य जानकारियाँ : अभिनय कला में कुशल थे । सच्चे पत्रकार थे । सन् 1967 ई० को इनका देहान्त हुआ ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
29.	रहीम । **उत्तर :** i) जन्म काल : रहीम का पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना था । इनका जन्म 1610 ई० में हुआ । ii) कृतियाँ : रहीम सतसई, बरवै नायिका भेद, रास पंचाध्यायी, शृंगार सोरठा, मदनाष्टक नाम की रचनाएँ की हैं । iii) अन्य जानकारियाँ : ये संस्कृत, अरबी, फ़ारसी तथा हिन्दी के मर्मज्ञ विद्वान थे । भगवान कृष्ण में अधिक भक्ति थी । 1682 ई० में स्वर्ग सिधारे ।	3
VI.	**छन्द पहचानिए ।**	**3**
30.	जो गरीब सो हित करै, धनि रहीम वे लोग । कहाँ सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग ।। **उत्तर :** (13) (11) S |S| S |||S || |S| S S| जो गरीब सो हित करै, धनि रहीम वे लोग । |S |SS S|S S| |SSS| कहाँ सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग ।। (13) (11) (i) इसमें दोहा छंद है । (ii) अर्धसम जाति का मात्रिक छन्द है । (iii) पहले और तीसरे चरणों में 13-13 मात्राएँ, दूसरे और चौथे चरणों में 11-11 मात्रायें होती हैं । (iv) दूसरे और चौथे चरणों में तुक मिलते हैं ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VII.	**अलंकार पहचानिए ।**	**3**
31.	मन कांचै नाचै वृथा, सांचै राचै राम । **उत्तर :** मन कांचै नाचै वृथा, सांचै राचै राम । ✶ इस पंक्ति में अनुप्रास अलंकार है । ✶ यह शब्दालंकार का उदाहरण है । ✶ 'च' वर्ण की आवृत्ति चार बार हुई है । ✶ अनुप्रास का अर्थ होता है समान वर्णों (अक्षरों) का दुहराना या बार-बार आना ।	
VIII.	**संदर्भ के साथ व्याख्या ।**	**4 × 3 = 12**
32.	'आप लोग असुर की कविता तो सुन ही चुके, अब ससुर की कविता सुनिए ।' **उत्तर :** पाठ का नाम : आनंद के क्षण लेखक का नाम : श्री कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' संदर्भ व व्याख्या : एक कवि सम्मेलन में दोनों मित्र साथ गए । जब शुक्ल जी अपनी कविता आरंभ करने लगे तो उनके मित्र बोले 'अब आप असुर की कविता सुनिए ।' असुर का अर्थ बिना सुर की भी और राक्षस भी । बड़ी सीधी-साधी चोट थी । शुक्ल जी उस चोट को सह गए पर जब मित्र कविता पढ़ने खड़े हुए तो शुक्ल जी उपरोक्त वाक्य को कहते हैं । विशेषता : मित्रता हँसी-मजाक से ही टिकती है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
33.	'मैंने अपने बच्चे को देखा तक नहीं ।' **उत्तर :** पाठ का नाम : अपना-पराया लेखक का नाम : जैनेन्द्र संदर्भ व व्याख्या : सैनिक को बच्चे के रोने की आवाज़ से नींद खुल गई । उसने बातचीत करने के लिए सरायवाले को बुलाया और इधर के हाल-चाल मालूम किये । सरायवाले को अपनी फौज़ की बहुत-सी बातें बताते समय उपरोक्त वाक्य को कहा है । विशेषता : सैनिकों के निजी जीवन का चित्रण किया गया है ।	3
34.	'हुज़ूर को नहीं दीखा तो हमें कैसे दीख सकता है ?' **उत्तर :** पाठ का नाम : सदाचार का तावीज़ लेखक का नाम : हरिशंकर परसाई संदर्भ व व्याख्या : एक राज्य में हल्ला मचा कि भ्रष्टाचार बहुत फैल गया है । राजा ने एक दिन दरबारियों से कहा - प्रजा बहुत हल्ला मचा रही है कि सब जगह भ्रष्टाचार फैला हुआ है । हमें तो आज तक कहीं नहीं दिखा । तुमलोगों को कहीं दिखा हो तो बताओ । इस बात को सुनकर दरबारियों ने उपरोक्त वाक्य कहा । विशेषता : भ्रष्टाचार के स्वरूप का चित्रण किया गया है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
35.	'हिन्दी हैं हम, वतन है हिंदोसताँ हमारा ।' **उत्तर :** पाठ का नाम : सारे जहाँ से अच्छा कवि का नाम : डॉ० इकबाल संदर्भ व व्याख्या : कवि भारत की विशेषता बताते हुए कह रहे हैं कि यहाँ अनेक धर्म–जाति को माननेवाले लोग हैं । मज़हब किसी को शत्रुता नहीं सिखाता है । हम सब हिन्दी बोलनेवाले हैं । हिंदोसताँ हमारा देश है । विशेषता : अनेकता में एकता भारत की विशेषता है ।	3
IX.	**चार–पाँच वाक्यों में उत्तर ।**	**3 × 3 = 9**
36.	जहाँगीरी अण्डे के बारे में अंग्रेज ने क्या बताया ? स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** एक कबूतर ने नूरजहाँ से जहाँगीर का प्रेम कराया था । जहाँगीर के पूछने पर कि मेरा एक कबूतर तुमने कैसे उड़ जाने दिया ? नूरजहाँ ने उसके दूसरे कबूतर को भी उड़ाकर बताया था कि 'ऐसे' उसके इस भोलेपन पर जहाँगीर सौ जान से निछावर हो गया । उसी क्षण से उसने अपने को नूरजहाँ के हाथ कर दिया । कबूतर का एहसान वह नहीं भूला । उसके एक अण्डे को बड़े जतन से रख छोड़ा । एक बिल्लोर की हांडी में वह उसके सामने सदा टँगा रहता था । बाद में वही अण्डा जहाँगीरी अण्डे के नाम से प्रसिद्ध हुआ ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
37.	शीला अग्रवाल ने लेखिका को किस प्रकार प्रभावित किया ? विवरण दीजिए । **उत्तर :** शीला अग्रवाल ने मन्नूजी को पिताजी के सीमित दायरे से बाहर निकालकर, उसे भी परिस्थितियों की सक्रिय भागीदारी में बदल दिया । सन् 46-47 के दिन, वैसे भी घर में बैठे रहना संभव नहीं था । मन्नू भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया ।	3
38.	अज्ञेय जी कविता में प्रकृति का वर्णन कैसे करते हैं ? **उत्तर :** अज्ञेय जी सबेरे उठे तो प्रकृति के सुहावने दृश्य देखकर वे आनंद विभोर हो जाते हैं । हल्की सी धूप आ गई है । चिड़िया सुरीली आवाज़ में गा रही हैं । हरी-हरी घास, शंखपुष्पी से बिखरती हुई श्वेत चमक, बहता हुआ शीतल पवन, आनंद से थिरकती लहरें मन को मोह लेती हैं ।	3
X.	**पद्यांश की पूर्ति ।**	**1 × 4 = 4**
39.	पैदा कर .... स्वजीवन सारा । **अथवा** जग में सुख .... को गले लगाना ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला–पोसा ।	1
	किये हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा ।	1
	उससे होना उऋण प्रथम है, सत्कर्तव्य तुम्हारा ।	1
	फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	1
	अथवा	
	जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है ।	
	वही जगाता है सद्गुणों को, सद्गुण लाता सुख है ।	
	बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ–जहाँ सुन पाना ।	
	सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना ।	
XI.	**पद्यांश का भावार्थ :**	**4**
40.	अज्ञानियों से स्नेह करना मानो पत्थर से चिनगारी निकालना है । ज्ञानियों का संग करना, मानो दही मथकर माखन पाना है । हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, तुम्हारे भक्तों का संग करना मानो कर्पूरगिरि की ज्योति को पाना है ।	
	अथवा	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न हैं, प्यास लगी तो तालाब-कुएँ हैं, शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म-सखा तू ही है । **उत्तर :** कविता का नाम : अक्कमहादेवी के वचन कवयित्री का नाम : अक्कमहादेवी अनुवादिका का नाम : डॉ० नंदिनी गुंडूराव भावार्थ : अक्कमहादेवी अपने वचन में बुराइयों में भी अच्छाई पाने का आशय व्यक्त करते हुए कहती हैं कि - अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वयं की वृद्धि होती है । क्योंकि उन्हें सुधारते-सुधारते स्वयं बहुत कुछ सीख जाते हैं । यहाँ पत्थर अर्थात् अज्ञानी, चिनगारी अर्थात् उसे सशक्त बनाना । ज्ञानियों के संग करने से हम सुलभ रूप से ज्ञानी बन जाएँगे । जैसे दही के मथने से माखन निकल आता है । अक्कमहादेवी अपने प्रभु की प्रशंसा करते हुए कहती हैं - तुम्हारे भक्तों का संग करना कर्पूर-पर्वत की ज्योति को पाने के समान है । **अथवा**	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	भावार्थ : अक्कमहादेवी इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती हैं कि – प्रभु, आपके सामने कोई भी गरीब नहीं है । इसकी पुष्टि में वे कहती हैं कि यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगती है तो पानी की कमी नहीं है क्योंकि इधर-उधर तालाब-कुएँ हैं । तुम्हारी कृपा से ठण्ड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु ! तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । तू ही मेरा प्रिय आत्म-सखा है ।	
XII.	**आठ–दस वाक्यों में उत्तर ।**	**2 × 4 = 8**
41.	गाँधीजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए । **अथवा** काठियावाड़ तथा भारत की जनता गाँधीजी की ओर क्यों आकृष्ट हुई ? **उत्तर :** गाँधीजी पर माता-पिता के आचार-विचारों का गहरा प्रभाव पड़ा । वे बचपन से ही सत्य के पुजारी थे । उन्होंने अपनी माता से प्रतिज्ञा की थी कि वे मांस-मदिरा आदि व्यसनों से दूर रहेंगे । इस प्रतिज्ञा ने उनको बड़ा आत्मिक बल दिया । उन्होंने जीवन भर अहिंसा का पालन किया । सत्य के लिए लड़ना, सत्याग्रह करना, अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाना, अपनों को आत्मसम्मान का पाठ सिखाना, संकट के समय में शत्रुओं की भी सहायता करना आदि गाँधीजी के सिद्धान्त थे । **अथवा**	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	ग्यारह वर्ष दक्षिण अफ्रीका में रहने के बाद गाँधीजी भारत लौटे । भारत आते ही आपने गोखले की सलाह मानकर भारत का भ्रमण आरंभ कर दिया । वीरमगाम में जकात के संबंध में जनता बड़ी दुःखी थी । आपने उनका दुःख वायसराय के सामने रखा । वायसराय ने इन शिकायतों पर उचित ध्यान दिया । इससे काठियावाड़ तथा भारत की जनता आपकी ओर आकृष्ट हुई ।	
42.	आलूर वेंकटराव के जीवन में नया मोड़ कैसे आया ? बताइए ।	
	अथवा	
	आलूर वेंकटरावजी के नूतन विद्यालय का परिचय दीजिए ।	
	उत्तर :	
	आलूर वेंकटराव अपने घराने के कुलपुरोहित के साथ 'नव वृंदावन' गए । वहाँ तुंगभद्रा के प्रशान्त तट पर व्यासराय और अन्य माध्व यतियों की समाधियाँ देखीं । फिर हंपी उत्खनन के बारे में सारी जानकारी प्राप्त करने लगे । समझ में आया कि विजयनगर साम्राज्य की राजधानी यही खण्डहर हंपी थी । विद्यारण्य की तपोभूमि, भुवनेश्वरी का पुण्य तटाक, ये सारे	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	चित्र वेंकटराव जी को विस्मित सा कर गए । दूसरे दिन विरुपाक्ष मंदिर गए । ग्यारह मंजिल का गोपुर आसमान को चूमता सा नज़र आया । मंदिर के अंदर गए । उन्हें लगा, पंपानाथ तथा पंपांबिका की मूर्तियाँ प्रसन्नता से उन्हें देख रही हैं । बगल में भुवनेश्वरी का मंदिर था । उन्हें लगा उस मूर्ति में प्राणों का संचार हुआ है । वह था अभूतपूर्व दिव्यदर्शन । इस यात्रा ने वेंकटराव के जीवन को नया मोड़ दिया । **अथवा** वेंकटरावजी वकालत छोड़कर धारवाड़ में एक राष्ट्रीय स्कूल खोलने के प्रयत्न में लग गए । मित्रों की सहानुभूति, जाने-माने व्यक्ति से धन सहायता, दूसरे गाँवों से धन सहायता के फलस्वरूप 26.01.1909 के दिन धारवाड़ में कर्नाटक नूतन विद्यालय अस्तित्व में आया । छात्रों को स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाना इस विद्यालय का उद्देश्य था । इसलिए इस स्कूल के पाठ्यक्रम में लकड़ी का काम, मुद्रण, बुनाई, दियासलाई बनाना, पेंसिल बनाना आदि सिखाना भी समाविष्ट था । वेंकटरावजी इस स्कूल के गौरव सचिव थे । वेतन नहीं लेते थे ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XIII.	**अपठित गद्यांश के उत्तर ।**	**2 × 2 = 4**
43.	राजा कृष्णदेवराय के दरबार में यही चर्चा हो रही थी कि उनकी अश्व-योजना से देश को बहुत लाभ हुआ है । सभी घोड़े सुंदर और मज़बूत हो गये हैं, उनसे सेना की शक्ति बढ़ेगी । अश्व सेना के प्रधान अधिकारी तो फूले न समाते थे । इसी बीच दरबार में जाँच करनेवाला राजकर्मचारी अपने साथियों के साथ उपस्थित हुआ । उसने राजा से कहा कि उनकी योजना सफल रही है, घोड़े एक से बढ़कर एक हैं, उन्हें देखने से मन भर जाता है, प्रजा सच्ची और ईमानदार है ।	
	a) कृष्णदेवराय के दरबार में किस बात की चर्चा हो रही थी ?	
	b) राजकर्मचारी ने राजा से क्या कहा ? बताइए ।	
	उत्तर :	
	a) राजा कृष्णदेवराय के दरबार में यही चर्चा हो रही थी कि उनकी अश्व-योजना से देश को बहुत लाभ हुआ है । सभी घोड़े सुंदर और मज़बूत हो गये हैं, उनसे सेना की शक्ति बढ़ेगी ।	2
	b) राजकर्मचारी ने राजा से कहा कि उनकी योजना सफल रही है, घोड़े एक से बढ़कर एक हैं, उन्हें देखने से मन भर जाता है, प्रजा सच्ची और ईमानदार है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XIV.	**पत्र लेखन ।**	**1 × 5 = 5**
44.	सकारण बताते हुए चार दिनों की छुट्टी की विनती करते हुए प्रधानाध्यापक के नाम पत्र लिखिए ।	
	अथवा	
	शैक्षिक यात्रा के लिए अनुमति और पैसे माँगते हुए अपने पिताजी के नाम पत्र लिखिए ।	
	उत्तर :	
	व्यावहारिक पत्र :	
	i) स्थान एवं दिनांक : $\frac{1}{2}$	
	ii) प्रेषक/सेवा में : $\frac{1}{2}$	
	iii) सम्बोधन – विषय : 1	
	iv) पत्र का कलेवर : $2\frac{1}{2}$	
	v) समाप्ति : $\frac{1}{2}$	5
	अथवा	
	पारिवारिक पत्र :	
	i) स्थान एवं दिनांक : $\frac{1}{2}$	
	ii) सम्बोधन–अभिवादन : 1	
	iii) पत्र का कलेवर : $2\frac{1}{2}$	
	iv) समाप्ति : $\frac{1}{2}$	5
	v) पत्र पानेवाले का पता : $\frac{1}{2}$	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XV.	**निबंध लेखन ।**	**1 × 5 = 5**
45.	किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : i) हमारे राष्ट्रीय पर्व । ii) चंद्रयान में भारत का विकास । **उत्तर :** (i) भूमिका 1 (ii) विषय विश्लेषण 2 (iii) उपसंहार 1 (iv) भाषा और शैली । 1	